पाठ - 9

'एक तिनका'

1. कविता की पंक्तियाँ कंठस्थ करके पूरी कीजिए :-

मैं घमंडो से भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन .....
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका .....।

जब किसी .....
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता .....
एक तिनका है बहुत .....।

प्र02 निम्न लिखित वाक्यों में से सर्वनाम छाँटिये -

क) मैं घमंड में खड़ा था। .....
ख) एक है तिनका बहुत तेरे लिए। .....
ग) आओ हम नदी-पहाड़ खेलेंगे। .....
घ) तुम लड़ क्यों रहे थे? .....
ड) यह बेचारा तो बहुत शरीफ है। .....
च) तब समझ ने यों मुझे ताने दिए। .....
छ) क्या आपप मुझे कविता लिखना सिखा सकते हैं।.....
ज) तुम्हें मेरी कविताएँ अच्छी लगी। .....

प्र03 नीचे दिए गए अनुच्छेद को उचित सर्वनाम द्वारा पूरा करो

एक दिन की बात है ..... घर जा रही थी। तभी अचानक ..... एक सहेली मिली ।..... पूछा, ''अरे, ''.....। यहाँ क्या कर रही हो?'''..... जबाब दिया, ''..... मेरा पीछा कर रहा है। ..... तो बहुत डर गई।'' ..... कहा, ''तुमने कुछ सुना? अजीब-सी आवाजें आ रही है।'' ..... कहा, ''हाँ-हाँ, चलो चलते हैं।'' फिर ..... दोनों घर की तरफ चल दिए।

egyanarchive

प्र04 उचित वाक्यांश चुनकर वाक्यों के खाली स्थान भरिए :-

छप से, टप से, थर्र से, फुर्र से, सन् से

क) मेंढक पानी में ..... कूद गया।

ख) शोर होते ही चिड़िया ..... उड़ी।

ग) ठंडी हवा ... गुजरी, मैं ठंड में ..... काँप गया।

ड) नल बंद होने के बाद पानी की एक बूँद ..... चू गई।

प्र05 निम्न लिखित शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइये :-

झिझक	अकड़ा हुआ
ऐंठा हुआ	व्याकुल
बैचेन	दबे पाँव
चुपचाप	संकोच

egyanarchive